



Newsletter published by

Computer Society of India

— Lucknow Chapter —

TechWings@CsiLko

Editor-in-Chief

Mr. Anil Kumar Srivastava

Editor

Dr. Shyam Kumar Garg

Editorial Board

Mr. Harish Chandra Gupta

Mr. Deepak Sharma

Mr. Nafisul Hasan Kidwai

Mr. Vinay Kumar Johri

Mr. Satyendra Kumar Gupta

Dr. Amitabha Yadav

Mr. Balendu Jaiswal

Office Address: CSI Lucknow Chapter, 231-233, 2nd Floor, Tej Kumar Plaza, Hazratganj, Lucknow

> http://www.csi-lko.org e-mail: csi.lkochap@gmail.com

Disclaimer:

डॉ. पुनीत मिश्रा ने मशीन लर्निंग और इसके अनुप्रयोग विषय के बारे में विस्तार से बताया

लखनऊ। कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इण्डिया, लखनऊ चौप्टर और बाबू बनारसी दास इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "मशीन लर्निंग और इसके अनुप्रयोग (Machine Learning and its Applications)" विषय पर बाबू बनारसी दास इंजीनियरिंग कॉलेज में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयन्ती के अवसर पर बीबीडीईसी के सेमिनार हॉल में दिनॉक 15 अक्टूबर 2022 (शनिवार) को एक कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सीएसआई लखनऊ चैप्टर डॉ श्याम कुमार गर्ग, श्री विनय कुमार जौहरी श्री सत्येन्द्र कुमार गुप्ता, लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ अजय गुप्ता और श्री राजेन्द्र कालरा आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। डॉ मोनिका मेहरोत्रा, निदेशक, डॉ अविनाश गुप्ता, सीएसआई छात्र शाखा काउंसलर और विभिन्न छात्रों के साथ बीबीडीईसी के सीएस / आईटी के अन्य संकाय भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि दी गई। बीबीडीईसी ने अतिथि वक्ता, सीएसआई लखनऊ चैप्टर के अवैतनिक सचिव और बीबीडीईसी के निदेशक को गुलदस्ता भेंट किया। डॉ. अलका सिंह ने अतिथि वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ. पुनीत मिश्रा, सीएसआई लखनऊ चौप्टर के सभी गणमान्य व्यक्तियों, बीबीडीईसी के फैकल्टी सदस्यों. छात्रों. मीडिया

पर्सन और दर्शकों में मौजूद अन्य अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने अतिथि वक्ता डॉ. पुनीत मिश्रा को अपने व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया। डॉ. पुनीत मिश्रा ने छात्रों और पूरे दर्शकों के लाभ के लिए ''मशीन लर्निंग और इसके अनुप्रयोग विषय के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों के बारे में बताया जहाँ मशीन लर्निंग का उपयोग किया जा सकता है और इसके उपयोगों का प्रदर्शन भी किया। उनकी बातचीत के



बाद एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों और दर्शकों ने प्रश्नों को उठाया और डॉ. मिश्रा ने उनकी संतुष्टि के लिए प्रश्नों को सम्बोधित किया। डॉ. अलका सिंह ने डॉ. श्याम कुमार गर्ग को सीएसआई और इसकी गतिविधियों के बारे में दर्शकों के साथ साझा करने के लिए आमंत्रित किया। डॉ. गर्ग ने तकनीकी चर्चा, सीएसआई लखनऊ द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों और इसकी वेबसाइट और न्यूज लैटर के प्रकाशन आदि के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों और संकाय सदस्यों को कंप्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया की सदस्यता का विकल्प चुनने के लिए भी प्रेरित किया। श्री विनय कुमार जौहरी ने सीएसआई लखनऊ की आगामी इवेन्ट्स के बारे में दर्शकों को बताया एवं यह भी बताया कि डा. पुनीत मिश्रा सीएसआई रीजन-1 के स्टेट स्टूडेन्ट कोआर्डिनेटर भी हैं और उनके अनुभव का लाभ इंसटीट्यूट एवं छात्रों को मिलेगा। डॉ. अलका सिंह ने सीएसआई स्टूडेन्ट ब्रान्च के छात्र पद धारकों के नामों की घोषणा की और विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बीबीडीईसी ने गेस्ट स्पीकर, सीएसआई लखनऊ चैप्टर के गणमान्य व्यक्तियों और मीडिया पर्सन को सम्मानित किया। अन्त में डॉ. अलका सिंह ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मीडिया पर्सन, स्टूडेंट्स, फैकल्टी मेम्बर्स सहित श्रोताओं में मौजद सभी गणमान्य लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने भविष्य में इस तरह के और कार्यक्रम आयोजित करने और सीएसआई लखनऊ चैप्टर के तकनीकी सहयोग से विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने का भी वादा किया।

द ड्रोन फ्लीट ऑफ स्टार्टअप्स इन इण्डिया पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

तेजस टूडे ब्यूरो आरएल पाण्डेय

लखनऊ। गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट लखनऊ ने जीजीआई के अध्यक्ष महेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में अपने संस्थान की इनोवेशन कार्जीसल (आईआईसी)-जीआईटीएम की 4 स्टार रेटिंग (उत्तरी क्षेत्र में शीर्ष 4 में और पुरे भारत में शीर्ष 59 में) की उपलब्धि का जश्न मनाया। 2021-22 में एमएचआरडी के इनोवेशन सेल द्वारा शुक्रवार को कंप्युटर सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई) लखनऊ चैप्टर के सहयोग से ₹द ड्रोन फ्लीट ऑफ स्टार्टअप्स इन ईंडिया₹ पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। छत्रों को श्री मिलिंद राज- 'डोन मैन ऑफ इॅडिया' द्वारा मानव रहित हवाई वाहनों



के बारे में अपने ज्ञान को अपग्रेड करने का मौका मिला जो भारतीय रक्षा के लिए प्रौद्योगिकी डेवलपर (एमओडी) रोबोज लैब्स के सीईओ हैं। उन्हें भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ ए.पी.जे अब्दल कलाम के साथ काम करने का अनभव है। प्रशिक्षण सत्र का फोकस छात्रों को ड्रोन निर्माण और उड़ान पर व्यावहारिक अनुभव देना था, अवधारणा की शुरूआत से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ डोन

बनाने तक। सत्र छात्रों को नए विचारों को विकसित करने और उन्हें व्यावसायिक प्रस्तावों और उपक्रमों में बदलने में मदद करेगा। डॉ. ऋषि अस्थाना निदेशक-त्रह्मळट ने कक्ट-त्रह्मळट द्वारा की गई उपलब्धि के बारे में प्रसन्नता व्यक्त करते हये डोन क्षेत्र में इतना बड़ा आयोजन करने के लिए उरकलखनऊ चैप्टर के सत्येंद्र गुप्ता, डॉ. श्याम कुमार गर्ग और विनय जौहरी की सराहना किया।

Computer Society of India

Lucknow Chapter & CSI Student branch of



Ambalika Institute of Management and Technology Jointly Invite you in One day Workshop

Evolution And Application of Artificial Intelligence



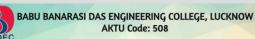








Guest Speaker Dr. Puneet Misra



Computer Society of India Lucknow Chapter and CSI Student Branch of Babu Banarasi Das Engineering College Lucknow on the occasion of Birth Anniversary of Dr. A.P.J Abdul Kalam

Machine Learning and its Applications 15th October 2022

Chairman, CSI Lucknow Chapter Dr. Shyam Kumar Garq

www.bbdec.ac.in

Guest of Honour

Mr. Anil Kumar Srivastava

Jointly Organizing Workshop

Venue: Seminar Hall Time: 10:00 A.M. - 12:00 P.M.

Guest Speaker Dr. Puneet Misra University of Lucknow



Convenor Prof.(Dr.)Monica Mehrotra

Director, BBDEC Dr. Avinash Gupta Professor & Head, CSE Student Branch Counsellor

Contact no.: 7355681571



आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोग पर कार्यशाला आयोजित

लखनक। कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई) लखनक चैप्टर और अंबालिका इंस्टोट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी की सीएसआई स्ट्डेंट ब्रांच द्वारा संयुक्त रूप से विकास और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोग आदिभिक्षणल हिर्देशनमं के अनुप्रयोग (Evolution and Application of Artificial Intelligence) '' निव्यय पर एआईएमटी के सेमिनस हॉल में एक कार्यक्राला आयोजित की गयी। '' कार्यक्र में सीएमआई त्यक्तक चैप्टर के अर्राव्य स्मा, विनय कुमार जीहरी, सत्येन्द्र कुमार गुना, लेफ्टिनेंट कर्नान डॉ. अजय कुमस पुना, लेक्टिनेट कर्नन डॉ अनव पूना एवं केटर के अन्य सरस्य उर्वस्थन की आर्टिनेटर, डॉ. निश्चत अरक्सर, एसीस्ट्रिटर, डॉ. निश्चत अरक्सर, एसीस्ट्रिटर, डॉ. निश्चत अरक्सर, एसीस्ट्रिटर, फोनसर व सीस्प्रआई अन्न स्माव्य करंडसर्स हीस्का नीर्मस्था की कार्यक्र कर्मस्य की कम्प्यूट (विकास और डंगीसिंक्ट्रिंग, स्माव्य और कम्प्यूट (विकास और डंगीसिंक्ट्रिंग, स्माव्य और क्षेत्र के अन्य संकाद थी कर्यक्रम में उर्वस्थत हुए। कर्यक्रम की तुरुआत संस्था के ब्रोर में



मंभवर, हाजी, मंडिटम करियों और रालंकी में बीचूर उसने विद्या करिया। उसके बाद उन्होंने विनय कुमार जीहरी को संपादका उसके बाद उन्होंने विनय कुमार जीहरी को संपादका डीट एसकी गतिकीयों के बादें में रालंकी के साथ महात्र करने के लिए आसंत्रित किया। इसके आसाव उन्होंने किया पूर्वक अलावा उन्होंने अधिय क्ला हात्र पूर्वक अलावा उन्होंने किया के अलावा अलावा करिया का साथ के लिए आसंत्रित किया। डी. पूर्वक मित्र करा करा उसके साथ उसके साथ उसके लिए आर्टी किया डी. सुर्वित मित्र का उसके साथ उसके लिए आर्टी किया डी. सुर्वित मित्र का उसके और पूर्व देशिलों सह के लाभ के लिए आर्टी क्रियाव इंटिलों सह के लाभ के लिए आर्टी क्रियाव इंटिलों सह के में भी जाताया जाती आर्टिमित्रियल अर्थानिक्त प्रमुख्य प्रकार है इंटिमित्रेस कर अर्थण किया जा सकता है और ऐसे उपयोगों का प्रदर्शन भी किया। उन्होंने एठाई के भविष्य और एउगाई के भविष्य के अदुपयोग बेंगों के को में भी विस्तार से बताया। अतिथे अध्यक्ष के कारणान के यार, सीस्पराज्ञ हां जाताया के सभी समस्य जातों को सीस्पराज्ञ में साक्षित होने और सीस्पराज्ञ में विशिव्य भाग लोने के लिए गणमान्य

Chairman's Message



ANIL KUMAR SRIVASTAVA

Chairman
CSI, Lucknow Chapter
Ex. General Manager
Computronics India
Consultant in HR Company
11/133 Vikas Nagar, Lucknow-226022
Mob: 9415463224/7009007833
E Mail: anilsrv17@gmail.com

Dear Members

Now, the third edition of this News Letter of the session 2022-2023 is in your hand. This newsletter covers the various activities performed by CSI, Lucknow Chapter during the period from October to December 2022. During this period, we mainly focused on opening of the Student Chapters of CSI at different Engineering Colleges of the city and organised technical sessions. Our endeavours in this direction are depicted in this Newsletter. In the beginning of new year, i.e. 2023, we are conducting an International Conference on "Digital Governance through IOT Solutions" on the 7th January 2023. It is a very prestigious event for all of us and we require your whole-hearted support and participation for its success.

Hope Everyone will like this News Letter.

Expecting your valuable feedback on this Newsletter for further improvement.

Thanks & Regards

Yours sincerely,

(Anil Kumar Srivastava) Chairman

CSI, Lucknow Chapter

Message from Hon. Secretary



Dr. Shyam Kumar Garg

M. Tech. (Hons), Ph. D., FIETE
Hon. Secretary
CSI Lucknow Chapter
DGM (Rtd.) / Faculty Member- NABARD/ BIRD LKO
C/O Dr. Jeevika Garg,
Chinhat Galla Mandi, Chinhat, Lucknow – 226028
Mob: 9335838133

E-mail:shyamatbird@gmail.com

Dear Friends,

The third quarter was mainly dedicated to awarding institutional CSI membership and opening of Students CSI chapters in some of the major engineering colleges, namely, BBDEC, GITM, BBDNIIT and BIET. During the inaugural sessions in BBDEC, GITM and BBDNIIT the Tech-Talk sessions were conducted besides conducting a separate Tech-Talk at AIMT. Two Tech-Talk sessions were also held on the occasions of the Birth anniversary of Dr. APJAbdul Kalam and Children's Day at BBDEC.

Lucknow Christian College in association with CSI, Lucknow Chapter conducted two days seminar on "Emerging Computer Technologies" which was inaugurated by Honourable Sh. Brijesh Pathak, Deputy Chief Minister, Uttar Pradesh.

Third edition of "TechWings@Csilko" newsletter is in your hand and I look forward to know your views for the betterment of the CSI, Lucknow Chapter.

Regards

(Dr. Shyam Kumar Garg)
Hon. Secretary,
CSI, Lucknow Chapter

Evolution and Application of Artificial Intelligence jointly Organized by Computer Society of India, Lucknow Chapter and CSI Student Branch of Ambalika Institute of Management and Technology, Lucknow on 14th October 2022

Date - 14th October 2022

Compiled by Mr. Arvind Sharma & Mr. Vinay Kumar Johri

Computer Society of India (CSI), Lucknow Chapter and Ambalika Institute of Management and Technology, Lucknow (AIMT) jointly organized an event on Evolution and Application of Artificial Intelligence on 14th October 2022 (Friday) at Seminar Hall of AIMT.

The dignitaries from CSI Lucknow Chapter, Mr. Arvind Sharma, Mr. Vinay Kumar Johri, Mr. Satyendra Kumar Gupta, Lt. Col. Dr. Ajay Gupta and other members of the Chapter were present in the event. Dr. Neeta Rastogi, Professor and Coordinator of the event, Dr. Nikhat Akhtar, Associate Professor and CSI Student Branch Counsellor and other faculty of Department of Computer Science and Engineering/Information Technology with various CSI Student Members were also present in the event.

The Event started with the Video Presentation about the Institute followed by Saraswati Vandana and Lighting of Lamp. After that, Dr. Nikhat Akhtar welcomed the Guest Speaker Dr. Puneet Misra from University of Lucknow, all the dignitaries from CSI Lucknow Chapter, Faculty Members from AIMT, Students, Media personnels and other guests present in the audience.

After that, she invited Mr. Vinay Kumar Johri to share about the CSI and its activities with the audience. Further, she invited Guest Speaker, Dr. Puneet Misra to deliver his lecture. Dr. Puneet Misra covered the topic Evolution and Application of Artificial Intelligence in depth for the benefit of the Students and the entire audience. He traced the history of AI since 1945 and tracked down the developments in this area. He also explained the areas where Artificial Intelligence can be used and also demonstrated the uses. He also elaborated on the future of AI and future application areas of AI.

After the lecture of Guest Speaker, all Member Students of CSI Student Branch were felicitated with a Participation Certificate as a token of appreciation by the dignitaries for joining the CSI and taking active part in the CSI Activities. Faculty of department of Computer Science and Engineering, Information Technology, Coordinator of the event Dr. Neeta Rastogi, Student Branch Counsellor Dr. Nikhat AKhtar were also felicitated for the help and support extended by them for CSI activities and making the CSI Student Branch Chapter at AIMT a vibrant one. The Guest Speaker, Dr. Puneet Misra was felicitated by the Student Branch Counsellor CSI Student Branch at AIMT Lucknow, Dr. Nikhat AKhtar for sparing his valuable time and sharing the Technical Subject in an easy to understand way with the audience.

In the end, Dr. Neeta Rastogi coordinator of the event delivered vote of Thanks to all the dignitaries present in the audience including media personnel, students, faculty members for making the event a Grand Success. She also promised to organize more such events in future and undertake various activities with Technical support from CSI Lucknow Chapter. The event was covered by the Media.

Some Glipses of the Event:





Machine Learning and its Applications jointly organized by Computer Society of India, Lucknow Chapter and CSI Student Branch of Babu Banarasi Das Engineering College, Lucknow on 15th October 2022

Date - 15th October 2022

Compiled by Mr. Harish Chandra Gupta & Mr. Vinay Kumar Johri

Computer Society of India (CSI), Lucknow Chapter and Babu Banarasi Das Engineering College, Lucknow (BBDEC) jointly organized an event on "Machine Learning and its Applications" on 15th October 2022 (Saturday) at Seminar Hall of BBDEC on the occasion of Birth Anniversary of Dr. APJ Abdul Kalam.

The dignitaries from CSI Lucknow Chapter, Dr. Shyam Kumar Garg, Mr. Vinay Kumar Johri, Mr. Satyendra Kumar Gupta, Lt. Col. Dr. Ajay Gupta and Mr. Rajendra Kalra were present in the event. Dr. Monica Mehrotra, Director, Dr. Avinash Gupta, CSI Student Branch Counsellor and other faculty of CS/IT of BBDEC with various Students were also present in the event.

The Event started with Ganesh Vandana and Lighting of Lamp followed by a tribute to Dr APJ Abdul Kalam through video presentation. The BBDEC presented a bouquet to the Guest Speaker, Hon.Secretary of CSI, Lucknow Chapter and Director of BBDEC.

Dr. Alka Singh welcomed the Guest Speaker Dr. Puneet Misra from University of Lucknow, all the dignitaries from CSI Lucknow Chapter, Faculty Members from BBDEC, Students, Media person and other guests present in the audience. She invited Guest Speaker, Dr. Puneet Misra to deliver his lecture. Dr. Puneet Misra covered the topic "Machine Learning and its Applications" for the benefit of the Students and the entire audience. He explained various areas where Machine Learning can be used and also demonstrated its uses. After his talk, an interactive session was held wherein students and audience raised the queries and Dr. Misra addressed the queries to their satisfaction.

Dr. Alka Singh invited Dr. Shyam Kumar Garg to share about the CSI and its activities with the audience. Dr Garg shared about tech-talk, various activities being undertaken by the Chapter and also its website and newsletter etc. He also motivated students and faculty members to opt for membership of Computer Society of India. Mr. Vinay Kumar Johri appraised the audience about forthcoming events of the Chapter.

Dr. Alka Singh announced names of student post holders of CSI Student Branch and the winners were felicitated with the certificates. BBDEC felicitated Guest Speaker, dignitaries from CSI Lucknow Chapter and media person.

In the end, Dr. Alka Singh delivered vote of Thanks to the Guest Speaker, all the dignitaries present in the audience including media person, students, faculty members for making the event successful. She also promised to organize more such events in future and undertake various activities with Technical support from CSI Lucknow Chapter. The event was covered by the Media.

Some Glipses of the Event :





Drones: The Future of Industry and World jointly organized by Computer Society of India, Lucknow Chapter and CSI Student Branch of Babu Banarasi Das Engineering College, Lucknow on 14th November 2022

Date - 14th November 2022

Compiled by Mr. Harish Chandra Gupta & Mr. Vinay Kumar Johri

On the auspicious occasion of Children's Day, a session was jointly organized by Computer Society of India (CSI) Lucknow Chapter and CSI Student Branch of Babu Banarasi Das Engineering College on the topic Drones: "The Future of Industry and World".

The programme was attended by Prof. (Dr) Monika Mehrotra - Director - BBDEC, Chief Guest and Guest Speaker Mr. Milind Raj CEO Roboz Labs, Dr. Avinash Gupta - CSI Student Branch Counsellor BBDEC, Mr. Shyam Kumar Garg – Hon. Secretary CSI Lucknow Chapter, Mr. Vinay Kumar Johri, Lt Col Dr. Ajay Gupta, Ms. Srishti Garg, Mr. Amit Anand Agarwal, Mr. Ravi Khare and all the teachers and students of BBDEC were present.

The programme started with Ganesh Vandana and lamp lighting followed by Prof. (Dr) Monika Mehrotra Director BBDEC was welcomed by Dr. Avinash Gupta, CSI Student Branch Counsellor. After that the guest speaker Mr. Milind Raj and all the distinguished members of CSI Lucknow chapter were welcomed by the Director. She greeted the students on the occasion of Children's Day and honored the guest speaker. Thereafter Prof. Preeti Singh invited guest speaker Mr. Milind Raj to deliver his lecture.

Mr. Milind Raj delivered a research oriented lecture on "Drones: The Future of Industry and World" for the benefit of the students and the entire audience. He explained how the past and the present can be reconciled with the application of drones and what are the areas where drones can be used better and move forward.

He discussed in depth about the future of drones and encouraged the students to do research in this area and gave live demonstration of AI technology and swarm based drones. Dr. Shyam Kumar Garg and Mr. Vinay Kumar Johri in their address, apprised the students about the upcoming activities of CSI and encouraged them for active participation and extended their best wishes.

In the end, the convener of the program Dr. Avinash Gupta thanked all the dignitaries present including media personnel, students, faculty members for making the program a success. The event was covered by the Media.

Some of the glimpse of the sessions:





Tech- Talk Session organized by CSI Lucknow Chapter on "The Drone Fleet of Start-Ups in India"

Date - 16th December 2022

-Dr. Shyam Kumar Garg

Computer Society of India, Lucknow Chapter and Innovation Cell & Department of Computer Science & Engineering, Goel Institute of Technology & Management (GITM), Ayodhya Road, Lucknow organized one day workshop on "The Drone Fleet of Start-Ups in India" on 16th December 2022 (Friday). The day was observed the day of inaugurating the CSI student chapter in the institute.

Mr. Milind Raj, CEO, Roboz Labs and Technology Developer for Indian Défense (M.o.D) is the Guest Speaker of the event. Mr. Milind Raj has been awarded the title "Drone Man of India". The objective of the session was to provide the knowledge to the students and faculty members on the drone manufacturing and how one can engage himself in the profession of the Drone. The students and faculty members of GITM got the chance to upgrade their knowledge on the piolet-less aircrafts and how they can be designed and operated. The usage of Artificial Intelligence was also explained in the Drone technology by the speaker.

At the end of the workshop, Dr. Rishi Asthana, Director, GITM appreciated the CSI Lucknow chapter for the cooperation extended to them for organising the Workshop turned Tech-Talk in their institute. He extended his gratitude to Mr. Milind Raj, guest speaker and was thankful to Dr. Shyam Kumar Garg, Hon., Secretary, members of Managing Committee members of CSI, Lucknow Chapter, Sh. Vijay Kumar Johari and Sh. Satyendra Kumar Gupta.

Later on, all CSI members and the guest speaker had a meeting with Sh. Mahesh Agarwal, Chairman, GITM. Sh. Agarwal was appraised about the workshop and the various activities are being undertaken by CSI, Lucknow chapter. Sh. Mahesh Agarwal assured the team for providing full cooperation as and when is required from his side by CSI.

Some Glipses of the Event:









AUTHOR GALLERY

BRIEF HISTORY OF MACHINE TRANSLATION

Department of Information Technology, Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow srishti.garg18@gmail.com

- Srishti Garg

- The historical backdrop of machine translation is one of incredible expectations and frustrations. We appear as of now to ride another rush of fervour, so it merits remembering the exercises of the past. The historical backdrop of machine translation goes back over 60 years, very quickly after the primary personal computers had been utilized to break encryption codes in the war, which appeared to be an able similitude for translation: what is a foreign language but encrypted English? Strategies established in more etymological standards were likewise researched. The field prospered, until the distribution of a report by ALPAC, whose negative evaluation slowed down numerous endeavours.
- During the 1970s the establishments for the principal business frameworks were laid, and with the coming of the personal computer and the move towards translation memory apparatuses for translators, machine translation as a functional application was intended to remain. The latest pattern is towards information driven techniques, particularly statistical strategies. Work in

Author Brief:

Srishti Garg has pursued M.Tech. (Software Engineering) from the Department of Information Technology, Babasaheb Bhimrao Ambedkar University,



Lucknow, Uttar Pradesh in the year 2020. She received her Bachelor Degree in Computer Science and Engineering from Uttar Pradesh Technical University, Lucknow, Uttar Pradesh, India in the year 2014. Her research areas include Cloud Computing, Machine Translation, Natural Language Processing and Machine Learning.

- machine translation research isn't restricted to the great objective of completely programmed, high-calibre (publishable) translation. Frequently, unpleasant translations are adequate for browsing foreign material.
- Ongoing patterns are additionally to assemble restricted applications in blend with speech recognition, particularly for hand-held gadgets. Machine translation may fill in as a reason for post-altering, yet translators are commonly better presented with devices, for example, translation memories that utilize machine translation innovation, however leave them in control.
- Numerous assets are uninhibitedly accessible for statistical machine translation research. Additionally, many deciphered content assortments are accessible either by basic web download or through the Linguistic Data Consortium. Different sources are continuous assessment campaigns that give standard preparing and test sets, and benchmark execution.

THE BEGINNING

- Endeavours to construct machine translation frameworks began nearly when electronic personal computers appeared. Personal computers were utilized in Britain to figure out the German Enigma code in World War II and deciphering language codes appeared to be an able metaphor or representation for machine translation.
- Warren Weaver, one of the spearheading minds in machine translation, wrote in 1947:
- At the point when I take a gander at an article in Russian, I state:
 - 'This is really written in English, but it has been coded in some strange symbols. I will now proceed to decode.'
- The rise of electronic minds created a wide range of expectations and a few analysts hoped to tackle the issue of

machine translation from the early. Significant financing went into the field. A portion of the standards of machine translation that were set up in the good old days stay legitimate today. In addition to the fact that we are as yet looking at "decoding" an unknown dialect and utilizing such modelling strategies as the uproarious channel model; it additionally gives the idea that the financing for the field of machine translation is as yet determined by a similar inspiration as code breaking. Governments, particularly that of the United States, appear to be generally ready to handle the dialects of nations that are taken to be a danger to public security, be it militarily or financially.

• In the good old days, numerous methodologies were investigated, extending from straightforward "Direct Translation" strategies that guide contribution to yield with fundamental guidelines, through more refined "Transfer" techniques that utilize morphological and syntactic examination, and up to "Interlingua" strategies that utilize an abstract meaning representation.

THE ALPAC REPORT AND ITS CONSEQUENCES

- v The good old days were portrayed by extraordinary hopefulness. Guarantees of impending forward leaps were noticeable all around and the impression was made that mechanical translation (as it was then called) would before long be comprehended.
- v In the Georgetown **experiment**, the translation of Russian to English was illustrated, recommending that the issue was nearly understood. Then again, sceptics made the claim that a few issues, particularly those identified with semantic disambiguation, are difficult to fathom via automatic means.
- v The whirlwind of movement encompassing machine translation went to a crushing stop with the issue of **the ALPAC report** in 1966. United States subsidizing organizations authorized the Automatic Language Processing Advisory Committee to complete an investigation of the real factors of machine translation.
- v The investigation appeared, in addition to other things, that post-altering machine translation yield was not less expensive or quicker than full human translation. It built up that just about \$20 million was spent on translation in the United States every year. There was very little Russian scientific literature worth deciphering and there was no lack of human translators. The council recommended that there was no advantage in utilizing machine translation frameworks.
- v Financing ought to rather go into fundamental semantic exploration and the advancement of strategies to improve human translation. Financing for machine translation in the United States halted almost entirely as a consequence. While the ALPAC report may have unreasonably viewed as just the objective of excellent translation, the experience shows the perils of over-promising the capacities of machine translation frameworks.

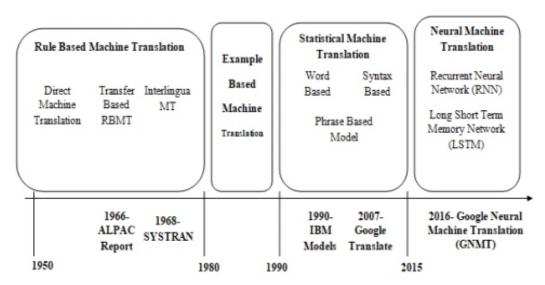


FIGURE 1: HISTORY OF MACHINE TRANSLATION

FIRST COMMERCIAL SYSTEMS

- Regardless of pointedly decreased exploration endeavours, the establishments of business translations were
 nevertheless laid in the decade after the ALPAC report. One early completely working framework is the Météo
 framework for translating climate conjectures, which was created at the University of Montreal. It has been
 working since 1976.
- **Systran** was established in 1968. Its Russian–English framework has been utilized by the Unites States Air Force since 1970. A French–English rendition was purchased by the European Commission in 1976, and from that point frameworks for more European language sets were created. Other business frameworks that went to the market during the 1980s were the **Logos** and **METAL** frameworks.
- The Pan American Health Organization in Washington has effectively evolved and broadly utilized a framework for making a translation of Spanish to English and back since the 1970s. In the last part of the 1980s, Japanese computer organizations fabricated translation frameworks for Japanese and English. During the 1990s, the more boundless utilization of desktop frameworks prompted the development of **Computer Aided Translation** frameworks for human translators by organizations, for example, **Trados**.

RESEARCH IN INTERLINGUA-BASED SYSTEMS

- An examination pattern during the 1980s and 1990s was the emphasis on the improvement of frameworks that utilize Interlingua to represent meaning autonomous of a particular language. Syntactic formalism developed more advanced, including reversible sentence structures that might be utilized for both analysis and generation. The thought of representing importance in a proper manner integrated a few strands of research both from artificial intelligence and computational linguistics.
- One model in the advancement of Interlingua-based frameworks is the **CATALYST** venture at Carnegie Mellon University (CMU), which was produced for the translation of specialized manuals of Caterpillar Tractor.
- Another model is the Pangloss framework that was created at New Mexico State University, the University of Southern California, and Carnegie Mellon University (CMU). The advancement of Interlingua frameworks was likewise a significant component in the enormous German Verbmobil venture which occurred between the years 1993 to 2000. The fascination of growing such frameworks is easy to see.
- Translating or deciphering includes communicating importance in various dialects, so an appropriate hypothesis of significance appears to address this issue at a more essential level than the low-level mapping of lexical or syntactic units. The issue of speaking to significance in a proper manner is one of the fabulous difficulties of artificial intelligence with fascinating philosophical ramifications.

DATA-DRIVEN METHODS

- Since language translation is troubled with so many significant and numerous choices that are difficult to formalize; it might be smarter to figure out how to decipher from past translation models. This thought is likewise inspiration for **Translation Memory** frameworks for human translators that store and recover coordinating translation models for a given new information text.
- Early endeavours dependent on this thought are **Example-Based Translation** frameworks that have been constructed particularly in Japan since the 1980s. These frameworks attempt to discover a sentence similar to the input sentence in a parallel corpus and roll out the proper improvements to its stored translation. In the last part of the 1980s, the possibility of statistical machine translation was conceived in the labs of IBM Research in the wake of achievements of factual techniques in speech recognition. By demonstrating the translation task as a statistical optimization problem, the Candide venture put machine translation on a strong numerical

establishment. The development of statistical machine translation was momentous.

- By and large it appears to be that the world was not exactly prepared for it. All through the 1990s, most specialists despite everything concentrated on sentence syntax-based and Interlingua frameworks, which were connected to work in semantic portrayals. A large portion of the original researchers at IBM left the field and discovered fortunes on Wall Street instead. While research on statistical methods for machine translation proceeded all through the 1990s somewhat (their accomplishment in the German Verbmobil venture is one feature); the methodology accumulated full steam just around the year 2000. Various elements added to this.
- In 1998, members at a Johns Hopkins University workshop re-executed a large portion of the IBM strategies and made the subsequent instruments broadly accessible. **DARPA**, the main funding agency in the United States, demonstrated incredible enthusiasm for statistical machine translation and supported the huge TIDES and GALE programs. The United States reaction to the occasions of September 11, 2001 likewise assumed a role in the re-established enthusiasm for the automatic translation of foreign dialects, particularly Arabic.
- Another factor in the ascent of statistical methods is the expansion in processing power and information stockpiling, alongside the expanding accessibility of computerized text assets as an outcome of the development of the Internet. These days, anybody can download parallel corpora along with standard devices from the web and construct a machine translation framework on a commonplace home computer.

CURRENT DEVELOPERS

- Statistical machine translation frameworks are at present being created in countless scholastic and business research laboratories. A portion of these endeavours have prompted the establishing of new organizations.
- Language Weaver was the first organization, established in 2002 that completely grasped the new worldview and guaranteed translation by numbers. Business statistical machine translation frameworks are additionally being created by huge programming organizations, for example, IBM, Microsoft, and Google.
- Simultaneously, conventional machine translation organizations, for example, the market head Systran, are incorporating statistical techniques into their frameworks. Its framework likewise exhibits the convenience of machine translation today.
- Web clients decipher 50 million site pages a day, utilizing frameworks, facilitated by Google, Yahoo, Microsoft, and others. There is a lot of energy noticeable all around, when leading research groups accumulate at venues, for example, the yearly NIST assessment workshop in Washington, D.C.
- Thoughts regarding the most recent techniques are exchanged in the light of continuing improvements of machine translation performance that raise the expectation that one day machine translation won't just be extremely helpful, yet that it will likewise be good (acceptable).

•

बाबू बनारसी दास इंजीनियरिंग कॉलेज ने मशीन लर्निग और इसके अनुप्रयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इण्डिया, लखनऊ चैप्टर और बाबू बनारसी दास इंजीनियरिंग कॉलेज

द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ÷मशीन लर्निंग और इसके अनुप्रयोग विषय पर बाबू बनारसी दास इंजीनियरिंग कॉलेज में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयन्ती के अवसर पर बीबीडीईसी के सेमिनार हॉल में दिनाँक 15 अक्टूबर 2022 (शनिवार) को एक कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सीएसआई लखनऊ चौप्टर डॉ श्याम कुमार गर्ग, श्री विनय कुमार जौहरी श्री सत्येन्द्र कुमार गुप्ता, लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ अजय गुप्ता और श्री राजेन्द्र कालरा आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। प्रो (डॉ) मोनिका मेहरोत्रा, निदेशक, बीबीडी ईसी, प्रो (डॉ)एस एस चौहान निदेशक, बीबीडी आईटीएम, डॉ रवि खरे, प्रो एस के मौर्या, डॉ अविनाश गुप्ता, सीएसआई छात्र

शाखा काउंसलर, डॉ संतोष शक्ला, प्रो प्रीति सिंह, प्रो अल्का सिंह, प्रो नियती गौड़ और विभिन्न छात्रों के साथ बीबीडीईसी के सीएस/ सीएस एआई/आईटी के अन्य संकाय भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि दी गई। बीबीडीईसी ने अतिथि वक्ता, सीएसआई लखनऊ चैप्टर के अवैतनिक सचिव और बीबीडीईसी के निदेशक को गुलदस्ता भेंट किया। प्रो अल्का सिंह ने अतिथि वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ. पुनीत मिश्रा, सीएसआई लखनऊ चैप्टर के सभी गणमान्य व्यक्तियों, बीबीडीईसी के फैकल्टी सदस्यों. छात्रों. मीडिया पर्सन और दर्शकों में मौजुद अन्य अतिथियों का स्वागत किया।

उन्होंने अतिथि वक्ता डॉ. पुनीत मिश्रा को अपने व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया। डॉ. पुनीत मिश्रा ने छात्रों और पूरे



दर्शकों के लाभ के लिए ÷मशीन लर्निंग और इसके अनुप्रयोग विषय के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों के बारे में बताया जहाँ मशीन लर्निंग का उपयोग किया जा सकता है और इसके उपयोगों का प्रदर्शन भी किया। उनकी बातचीत के बाद एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों और दर्शकों ने प्रश्नों को उठाया और डॉ. मिश्रा ने उनकी संतुष्टि के लिए प्रश्नों को सम्बोधित किया। प्रो अल्का सिंह

ने डॉ. श्याम कमार गर्ग को सीएसआई और इसकी गतिविधियों के बारे में दर्शकों के साथ साझा करने के लिए आमंत्रित किया। डॉ. गर्ग ने तकनीकी चर्चा, सीएसआई लखनऊ द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों और इसकी वेबसाइट और न्यूज लैटर के प्रकाशन आदि के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों और संकाय सदस्यों को कंप्यटर सोसाइटी ऑफ इंडिया की सदस्यता का विकल्प चुनने के लिए भी प्रेरित किया। श्री विनय कुमार

इवेन्ट्स के बारे में दर्शकों को बताया एवं यह भी बताया कि डा. पुनीत मिश्रा सीएसआई रीजन-1 के स्टेट स्टूडेन्ट कोआर्डिनेटर भी हैं और उनके अनुभव का लाभ इंसटीट्यूट एवं छात्रों को मिलेगा । प्रो अल्का सिंह ने सीएसआई स्टडेन्ट ब्रान्च के छात्र पद धारकों के नामों की घोषणा की और विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बीबीडीईसी ने गेस्ट स्पीकर, सीएसआई लखनऊ चैप्टर के गणमान्य व्यक्तियों और मीडिया पर्सन को सम्मानित किया।

अन्त में प्रो अल्का सिंह ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मीडिया पर्सन, स्टूडेंट्स, फैकल्टी मेम्बर्स सहित श्रोताओं में मौजूद सभी गणमान्य लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने भविष्य में इस तरह के और कार्यक्रम आयोजित करने और सीएसआई लखनऊ चैप्टर के तकनीकी सहयोग से विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने का भी वादा किया ।

बाबू बनारसी दास इंजीनियरिंग कालेज में ड्रोनः द फ्यूचर ऑफ इंडस्ट्री एंड वर्ल्ड पर कार्यशाला आयोजित की गयी।

लखनऊ। बाल दिवस के शुभ अवसर पर कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इण्डिया (सीएसआई) लखनऊ और बाबू बनारसी दास इंजीनियरिंग कालेज की सीएसआई स्टूडेंट ब्रांच द्वारा संयुक्त रूप से झोनरू द फ्यूचर ऑफ इंडस्ट्री एंड वर्ल्ड विषय पर बीबीडी ईसी के सेमिनार हॉल में एक कार्यशाला आयोजित की गयी। यह कार्यक्रम बाबु बनारसी दास ग्रुप की अध्यक्षा माननीय श्रीमती अलका दास गुप्ता एवं प्रेसिडेंट श्री विराज सागर दास की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में आयोजित हुआं। कार्यक्रम का प्रारम्भ गणेश वन्दना और दीप प्रज्जवलन से किया गया तत्पश्चात प्रो(डॉ) मोनिका

मेहरोत्रा निदेशक बी. बी.डी.ई. सी का स्वागत डॉ अविनाश गुप्ता,सीएसआई छात्र शाखा काउंसलर द्वारा किया गया। तत्पश्चात निदेशक महोदया द्वारा अतिथि वक्ता श्री मिलिंद राज एवं सीएसआई लखनऊ चौप्टर के सभी गणमान्य सदस्य में प्रो (डॉ) मोनिका मेहरोत्रा, निदेशक – बीबीडी ईसी, मुख्य अतिथि एवं वक्ता श्री मिलंद राज(ड्रोन मन ऑफ इंडिया) सीईओ रोबोज लैब्स अविनाश गुप्ता सीएसआई छात्र शाखा काउंसलर. सीएसआई लखनऊ चौप्टर के श्री श्याम कुमार गर्ग, श्री विनय कुमार जौहरी लेपिटनेंट कर्नल डा अजय गुप्ता, चौप्टर के अन्य

एवं बीबीडीईसी के समस्त शिक्षक तथा छात्र उपस्थित थे। प्रो(डॉ)मोनिका मेहरोत्रा ने बाल दिवस के अवसर पे छात्रों को शुभकामनाएं दी एवं अतिथि वक्ता को सम्मानित किया। तदोपरांत प्रो प्रीति सिंह ने अतिथि वक्ता श्री देने के लिए आमंत्रित किया । श्री मिलिंद राज ने छात्रों और पूरे दर्शकों के लाभ के लिए डोनरू द फ्यूचर ऑफ इंडस्टी एंड वर्ल्ड विषय पर अनुसंधान उन्मुख व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि अतीत और वर्तमान में ड्रोन के अनुप्रयोग से कैसे सामान्जस्य बनाया जा सकता हैं और वह कौन से क्षेत्र है जहां

है। उन्होंने दोन के भविष्य के विषय में गहराई से चर्चा की एवं छात्रों को दस क्षेत्र प्रोत्साहित किया और ऐआई तकनीक एवं लाइव प्रदर्शन किया। एवं श्री विनय कुमार जौंहरी जी ने अपने संबोधन में छात्रों को सीएसआई की आगामी

गतिविधियों से अवगत कराया एवं सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया एवं शुभकामनाएं दीं। अन्त में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अविनाश गुप्ता ने



लिए मीडिया कर्मियों,

संकाय सदस्यों सहित उपस्थित

सभी गणमान्य व्यक्तियों के प्रति

उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के बारे

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोग पर कार्यशाला आयोजित

लखनक। कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई) लखनक चैन्टर और अवालिका इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी की

ब्युरो चीफ आर एल पाण्डेय

अखालका स्टाट्यूर आफ मैनेवारं ए एड टेबनोलॉजों को सीएसआई स्टूडेंट ब्रांच ह्या संकुत रूप से सिकास और अधिरिक्शियल टेडिलेंबर के अनुग्रयोग विषय पर एआईएमटो के सीमारा होल में एक कार्यवाला आयोजित की गयो । कार्यक्रम में सीएसआई लखनक चीटर, संब्ले-दर्कमर गुमा, लिंग्सर्गे कीटर, संबले-दरक्तमर गुमा, लिंग्सर्गे कर्मक अध्यक्ष स्वाचन के स्वाचन प्रोचेसर व कीआईडिंग्स्ट, ब्री. निख्या अख्तर, एसोरिसए प्रीफेसर व सीएसऑं का शास्त्र कार्यकरला विषिक्त सीएसऑं कात्र शास्त्र वार्यकरला विषिक्त सीएसऑं कार्यकरला विष्कित सीएसऑं विष्का के अन्य संकाद भी कार्यक्रम में

कायक्रम का शुरुआत सस्मा ज जार में वीडियो प्रेजेन्टेशन के साथ हुई इसके बाद सरस्वती वन्दना और दीप प्रज्जवलन किया गया। इसके बाद डॉ. निखत अख्तर

ने अतिथि बक्ता त्याव्यक्त विश्वविद्यालय के क्रां, पुनीत निश्ना, सीएसआई लावनक प्रियन्त के स्वीत प्राण्याना, राज्यांच्यां के फिकल्टो मेम्बाई, जानं, मीडिया कर्मियों के फिकल्टो मेम्बाई, जानं, मीडिया कर्मियों औरस्तर्कों में मीवुद अन्य अतिथियों का अरात्वा किया उत्तर्वात किया अराव्यात किया उत्तर्वात कर्वात अरावी अर्जीविद्य का अराव्या उत्तर्वात कर्वात अरावी अर्जीविद्य का अराव्यात क्रिया उत्तर्वात कर्वात अरावी अराव्यात क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रयाव क्रिया क् सीएसआई में शामिल होने और सीएसआई गिविविध्यों में सिक्रय भाग छोने के हिए। गामान्य व्यक्तियों द्वारा प्रश्नेता के हर्गाक के स्वार्थ भागान्य व्यक्तियों द्वारा प्रश्नेता के हर्गाक के स्वार्थ भागान्य हुए। यह सी सामित किया गया। कम्प्यूट विवान और इंजीनियरिंग विभाग के संकार, यूवना प्रौधोगियों का व्यक्तिय के सीयोवक की तीता रसोगी, काता शाखा काउंस्लर की भागान्य में सामित किया गया। यो गई मदद और सहसोग के हिए। सम्मानित विकाय गया और प्रशास्थ्यों में सीयोवक की हिए। सम्मानित किया गया। आवार्थ भागान्य सीयोव वका की पुनीत मित्रा को उससे सहस्थित के सामित किया गया। यो गिवत वनाने के हिए। सम्मानित किया गया। यो गिवत का उससे सहसे प्रशासी हरवेंद्र को इससे का उससे सामित किया गया। यो गिवत का उससे प्रशासी स्वार्थ कर से सामित किया गया। यो गिवत का उससे सहसे सामित किया गया। यो गिवत का उससे सामित किया गया। यो गिवत कराने के हिए। सम्मानित किया।

सम्मानित किया।
अन्त में कार्यक्रम की संयोजक डॉ.
नीता रस्तोगी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मीडिया कर्मियों छात्रों, संकाय सदस्यों सहित उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों के प्रति धन्यबाद ज्ञापित किया।

'ड्रोन : द फ्यूचर ऑफ इंडस्ट्रीज' पर कार्यशाला



लखनऊ (एसएनबी)। बाल दिवस के अवसर पर कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इण्डिया (सीएसआई) लखनऊ चैप्टर और बाबु बनारसी दास इंजीनियरिंग कॉलेज की सीएसआई स्टूडेंट ब्रंच द्वारा संयुक्त रूप से डोन : द फ्यूचर ऑफ इंडस्टी एंड वर्ल्ड विषय पर बी.बी.डी.ई.सी. के सेमिनार हॉल में एक कार्यशाला आयोजित की गयी। यह कार्यक्रम बाब बनारसी दास ग्रुप की अध्यक्ष अलका दास गुप्ता एवं प्रेसिडेंट विराज सागर दास के मार्ग दर्शन में आयोजित हुई।

कार्यक्रम का प्रारम्भ गणेश वन्दना और दीप प्रज्ज्वलन से किया

गया। तत्पश्चात प्रो. (डॉ.) मोनिका मेहरोत्रा निदेशक बी. बी.डी.ई.सी का स्वागत डॉ. अविनाश गुप्ता, सीएसआई छात्र शाखा काउंसलर द्वारा किया गया। तत्पश्चात निदेशक द्वारा अतिथि वक्ता मिलिंद राज एवं मीएमआई लावत्रक नैप्य के महस्य का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) मोनिका मेहरोत्रा, निदेशक - बी.बी.डी.ई.सी.,

बाल दिवस के अवसर पर छात्रों को शुभकामनाएं दीं, अतिथि वक्ता को किया गया सम्मानित

मुख्य अतिथि एवं अतिथि वक्ता मिलिंद राज (ड्रोन मैन ऑफ इंडिया) सीईओ रोबोज लैब्स, डॉ. अविनाश गुप्ता सीएसआई छात्र शाखा काउंसलर, सीएसआई लखनऊ चैप्टर के डॉ. श्याम कुमार गर्ग विनय कुमार जौहरी, लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. अजय गुप्ता, मिस सिंद्र गर्ग. श्री अमित आनंद अग्रवाल व चैप्टर के अन्य सदस्य एवं बी.बी.डी.ई.सी. के श्री रवि खरे व समस्त शिक्षक तथा छात्र उपस्थित थे। पो (डॉ) मोनिका मेहरोत्रा ने बाल दिवस के अवसर पर लात्रों को थ । आ. (डा.) मानका महरात्रा न बाल ।देवस के अवसर पर छात्रा का शुभकामनाएं दी एवं अतिथि वक्ता को सम्मानित किया । इस अवसर पर मिलिंद राज ने छात्रों और पूरे दर्शकों के लाभ के लिए 'ड्रोन : द फ्यूचर ऑफ इंडस्टी एंड वर्ल्ड' विषय पर अनसंधान उत्मख व्याख्यान दिया। अन्त में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अविनाश गुप्ता ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मीडिया कर्मियों, छात्रों, संकाय सदस्यों सहित उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों के पति धन्यवाद जापित किया।

मशीन लर्निग और इसके अनुप्रयोग विषय पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

अध्यक्ष के व्याख्यान के बाद, सीएसआई छात्र शाखा के सभी सदस्य छात्रों को

(शानिवार) को एक कार्यक्रम का आयोजन सम्मन हुआ। कार्यक्रम में सीएसअई लखनऊ चीप्टर श्याम कुमार गर्ग, वित्रव कुमार जीहरी सत्येन्द्र कुमार गुरा, लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. अजब कुवा और गजेन्द्र कालव आदि गणमान्य लोग उपस्वित थे ।प्रे. (डॉ.) भोनिकम मेहरोज्ञ, ज्यास्त्रत वा (प्र. (ज्ञी.) मानिका महाराज्ञ, ज्ञां निदेशक, बीवोडी ईसी, प्रे. (ज्ञी.) अन् एसएस. चीहात निदेशक, बीवोडी वीवं आईटीएम, डॉ. गॅव खरे, ग्रे. एसके मीर्चा, लंडी. अविनाश गुप्ता, सीएसआई छात्र और शास्त्रा कट्येस्टर, हैं तरीको बुक्त, ग्रे. प्राप्ता कट्येस्टर, हैं तरीको बुक्त, ग्रे. ग्रीत सिंह, ग्रे. अस्का सिंह, ग्रे. नियती अति गौड़ और विभिन्न छात्रों के साथ विश्





